एकलव्य विद्यालय

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने सभी उप-जिलों की 15 एकड़ भूमि पर नवीन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय बनाने की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु :

- सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर संसदीय स्थायी समिति ने 15 एकड़ निरंतर भूमि होने के मानदंड की तत्काल समीक्षा की सिफारिश की। समिति ने कई जिलों में भूमि की पहचान करने और अधिग्रहण करने वाली कठिनाईयों की ओर इशारा किया था, वहीं इसके द्वारा जंगली या पहाड़ी इलाकों मे भूखंड को खोजने में आने वाली मुश्किलों की ओर भी इशारा किया गया।
- भूखंड की कमी बिखरी हुई ST आबादी को एकलव्य स्कूलों के लाभ से भी वंचित करेगी।
- सरकार की मंशा को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रपति ने झारखंड में झारखंड गौरव दिवस(5 Nov) के अवसर पर 7 एकलव्य विद्यालयों की नींव रखी।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS) के बारे में:

- दूरस्थ क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति (ST) के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए EMRS की शुरुआत 1997-98 में हुई थी।
- इसका उद्देश्य छात्रों को उच्च और व्यावसायिक शैक्षिक पाठ्यक्रमों में अवसरों का लाभ उठाने और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। ये स्कूल न केवल अकादमिक शिक्षा पर, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- ये विद्यालय संविधान के **अनुच्छेद-275(1)** के तहत प्रदान किए गए अनुदान द्वारा स्थापित किए जा रहे हैं।

नोडल मंत्रालय - जनजातीय मामलों का मंत्रालय

मंत्रालय द्वारा किए गए नवीनतम परिवर्तन:

- EMRS को अधिक गतिशील बनाने के लिए निर्णय लिया गया है कि वर्ष 2022 तक 50% से अधिक STआबादी वाले प्रत्येक ब्लॉक और कम से कम 20,000 आदिवासी व्यक्तियों के पास एक EMRS होगा।

- एकलव्य विद्यालय, नवोदय विद्यालय के समकक्ष होंगे तथा इनमें खेल और कौशल विकास में प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा स्थानीय कला एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
- वर्ष 2022 तक 462 नए विद्यालय खोले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

स्कूल स्थापित करने में चुनौतियाँ:

- सरकार ने प्रस्तुत किया था कि कई क्षेत्रों में जहाँ जनसंख्या मानदंड पूरा होता है, वहाँ स्कूल बनाने के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है और यदि भूमि उपलब्ध भी है तो भूमि के कानूनी अधिग्रहण में अधिक समय लग रहा है।

शब्द शाला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में ,वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा अंग्रेजी भाषा से जुड़े शब्दों के अनुवाद के लिए एक वेबसाइट 'शब्द शाला' शुरू की जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- देश के लोग 'शब्द शाला' वेबसाइट पर लॉग इन कर इन शब्दों के संभावित अनुवाद या उनकी संबंधित भाषाओं में प्रचलित उपयोगों के लिए सुझाव प्रदान कर सकते हैं।
- सभी सुझावों के मिलान के बाद, "तकनीकी शब्द चयन समिति" प्रत्येक शब्द के लिए सबसे लोकप्रिय या उपयुक्त अनुवादों पर ध्यान देगी, तत्पश्चात संबंधित भाषाओं में एक शब्दावली तैयार की जाएगी।
- शिक्षा मंत्रालय के परामर्श से गठित की जाने वाली तकनीकी शब्द चयन समिति में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विषय विशेषज्ञ तथा भाषा विज्ञान और संस्कृत भाषा के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग:

- इसकी स्थापना 01 अक्टूबर, 1961 को राष्ट्रपति के आदेश के अनुसरण पर की गई।
- वर्तमान में, आयोग नई दिल्ली के, अपने मुख्यालय के साथ उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन कार्य कर रहा है।
- इसका उद्देश्य मानक शब्दावली विकसित करना, इसके उपयोग का प्रचार करना और इसे व्यापक रूप से वितरित करना है।
- आयोग को राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, क्षेत्रीय पाठ्यपुस्तक बोर्डों और राज्य 'ग्रंथ अकादमियों' के साथ सहयोग करना अनिवार्य है।
- ग्रंथ अकादमियों के लिए 18 राज्यों को अनिवार्य किया गया।

आर्टेमिस-1

चर्चा में क्यों ?

नासा द्वारा आर्टेमिस-1 मिशन शुरू करने की तैयारी कर ली है , जो मानव को चंद्रमा पर ले जाएगा।

उद्देश्य:

- यह केवल एक चंद्र ऑर्बिटर मिशन है।
- अधिकांश ऑर्बिटर मिशनों के विपरीत, इसका पृथ्वी पर वापसी का लक्ष्य अहम् है ।
- इसके द्वारा ले जाये जाने वाला क्यूबसैट विशिष्ट जांच और प्रयोगों के उपकरणों से लैस है, यह सभी रूपों में पानी की खोज और हाइड्रोजन के लिए ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग किया जा सकता है।
- जीव विज्ञान के प्रयोग और ओरियन बोर्ड पर डमी 'यात्रियों' पर पड़ने वाले प्रभाव के माध्यम से मानव पर गहरे अंतरिक्ष वातावरण के प्रभाव की जांच की जाएगी।

महत्त्व:

- अंतरिक्ष यान ने सौर मंडल से परे यात्रा की है, अन्वेषण मिशनों ने मंगल, बृहस्पति और शनि की जांच की है, 500 से अधिक अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष में वापसी यात्राएं की हैं और स्थायी अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र (UN)- विश्व जनसंख्या संभावनाएं रिपोर्ट-2022

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने भारत की जनसंख्या वृद्धि की स्थिरता की ओर संकेत किया, परिवार नियोजन सेवाओं और उन तक पहुंच, देश की राष्ट्रीय नीतियों और स्वास्थ्य प्रणालियां की ओर संकेत करती है।

प्रमुख बिंदु

- 15 नवंबर, 2022 को दुनिया की आबादी आठ अरब हो गयी और भारत इस मील के पत्थर में सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता रहा, जिसने 177 मिलियन लोगों को जोड़ा।
- संयुक्त राष्ट्र की जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक जनसंख्या 1950 के बाद से अपनी सबसे धीमी दर से बढ़ रही है, जो 2020 में 1 प्रतिशत से कम हो गई है ।
- विश्व की जनसंख्या 2030 में लगभग 5 बिलियन और 2050 में 9.7 बिलियन तक बढ़ सकती है।

भारत की जनसँख्या

- भारत का 2023 में दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकलने का अनुमान है, "जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने की संभावनाओं के साथ, इस वर्ष एक भारतीय की औसत आयु 28.7 वर्ष थी, जबकि चीन के लिए यह 38.4 और जापान के लिए 48.6 थी।

- जनसंख्या संभावना रिपोर्ट में कहा गया था कि चीन की 1.426 बिलियन की तुलना में 2022 में भारत की जनसंख्या 1.412 बिलियन हो गई है।
- UNFCA के अनुमान के मुताबिक, 2022 में भारत की 68 फीसदी आबादी 15-64 साल के बीच है, जबकि 65 और उससे अधिक उम्र के लोगों की आबादी 7 फीसदी है।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार, देश की 27 % से अधिक जनसंख्या 15-29 वर्ष की आयु के बीच है।
- भारत में 2030 तक दुनिया की सबसे कम उम्र की आबादी बनी रहेगी और यह वर्तमान में जनसांख्यिकीय अवसर का सामना कर रहा है, एक "युवा उभार" जो 2025 तक चलेगा।

चीन:

- चीन, जो तेजी से बढ़ती उम्र बढ़ने वाली आबादी के बोझ तले दबा हुआ है, के 2035 में 60 वर्ष से ऊपर के 400 मिलियन लोगों के साथ "गंभीर उम्र बढ़ने" के चरण में प्रवेश करने का अनुमान है।
- चीन की आबादी पिछले साल पांच लाख की दर से भी कम बढ़ी है ।
- विगत वर्ष से, चीन में तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति दी गयी तथा लोगों को और अधिक बच्चे पैदा करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

वोस्त्रो खाता

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्र सरकार ने रुपये में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौ रूसी बैंकों के लिए 'वोस्ट्रो' खातों को मंजूरी दी है।

नोस्ट्रो खाता क्या है?

- नोस्ट्रो खाता एक बैंक द्वारा, दूसरे बैंक में रखा गया खाता है। यह ग्राहकों को बैंक के खाते में दूसरे बैंक से पैसा जमा करने की अनुमति देता है।
- इसका उपयोग अक्सर जब किसी बैंक की विदेश में कोई शाखा नहीं होती, किया जाता है।

वोस्त्रो खाता:

- एक वोस्ट्रो खाता, नोस्ट्रो खाते का दूसरा नाम है।
- यह किसी एक बैंक द्वारा आयोजित खाता है जो ग्राहकों को दूसरे बैंक की ओर से पैसा जमा करने की अनुमति देता है।
- नोस्ट्रो खाता, खाता खोलने वाले बैंक के लिए एक वोस्ट्रो खाता है।
- यदि कोई व्यक्ति वोस्ट्रो खाते में पैसा जमा करता है, तो उसे खाताधारक के बैंक में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

अन्य प्रमुख बिंदु :

- रूस , रुपये आधारित निर्यात-आयात लेनदेन की सुविधा देने वाला पहला देश बन गया है।

- इससे भारत के निर्यात को मंजूरी-प्रभावित रूस में सुविधा होगी।
- RBI द्वारा डिज़ाइन किया गया तंत्र केवल भारतीय रुपये में व्यापार पर जोर देता है, जिससे विनिमय का जोखिम समाप्त हो जाता है।
- इस मार्ग से व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए, सरकार ने विदेश में व्यापार नीति में एक संशोधन के माध्यम से निर्यातकों को रुपये के मामले में, व्यापार को प्रोत्साहन या शुल्क छूट का लाभ उठाने की अनुमति दी है।

KARMANYEVADHIKARASTE
THE STUDY
MAA PHALESHU KADAACHAN
An Institute for IAS